Section–C **2×20=40**

(Long Answer Type Questions)

Note :– Answer any *two* questions. You have to delimit your each answer maximum up to **500** words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. भासरचित स्वप्नवासवदत्ता में प्राकृत की अभिव्यञ्जना का वर्णन कीजिए।

11. सेतुबन्ध में महाकाव्यत्व की सिद्धि की समीक्षा कीजिए।

12. लीलावई महाकाव्य में प्रकृति चित्रण पर एक लेख लिखिए।

13. गाथासप्तशती में ग्राम्य जीवन के चित्रण का वर्णन कीजिए।

361

DPL–01

June – Examination 2020

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into three Sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **10×2=20**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) अर्द्धमागधी प्राकृत की वर्णमाला में स्वरों का नामोल्लेख कीजिए।

   (ii) आचार्य हेमचन्द्र रचित व्याकरण ग्रन्थ का क्या नाम है ?

   (iii) शौरसेनी प्राकृत में 'पव्वदो' शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है ?

   (iv) 'तिलोयण्णपत्ति' किनकी रचना है ?

   (v) महाराष्ट्री प्राकृत के कालों का नामोल्लेख कीजिए।

   (vi) महाराष्ट्री प्राकृत के षष्ठी विभक्ति एकवचन में किस प्रत्यय का प्रयोग होता है ?

   (vii) पैशाची प्राकृत के भूतकालिक कृदन्त में किन प्रत्ययों का प्रयोग होता है ?

   (viii) विशाखदत्त ने मुद्राराक्षसम् में प्राकृत के किन रूपों का वर्णन किया है ?

   (ix) आचार्य हेमचन्द्र के अनुसार दृश्य काव्य के कितने भेद हैं ?

   (x) गउडवहो महाकाव्य का प्रधान रस कौनसा है ?

Section–B 4×10=40

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 10 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. अर्द्धमागधी प्राकृत के कृदन्त रूपों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
3. जैन साहित्य में छेद सूत्रों पर प्रकाश डालिए।
4. शौरसेनी प्राकृत के नामकरण की समीक्षा कीजिए।
5. अष्ठपाहुड को स्पष्ट कीजिए।
6. गाहासत्तसई के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।
7. शूद्रक रचित मृच्छकटिकम् का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
8. शार्दूलविक्रिडित छन्द का लक्षण देते हुए उदाहरण लीलावई महाकाव्य से दीजिए।
9. वसुदेवहिण्डी कहा के मज्झिमखण्ड को संक्षेप में समझाइये।